नियमों का उल्लंघन | एनएच 30 पर बढ़ते अवैध निर्माण से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा, प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप

हाईवे पर नियमों का खुलेआम उल्लंघन, 10 मीटर के दायरे में बेखौफ खड़े वाहन

मंडला 8 सितंबर नभाप्र. राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में मंडला जिले के बरेला से चिल्पी तक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। एनएचएआई के दिशा निर्देशों के अनुसार हाइवे से 10 मीटर के दायरे में किसी भी तरह का निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है, और 40 मीटर की सीमा में निर्माण के लिए कलेक्टर से अनुमति लेना अनिवार्य है। बावजूद इसके हाईवे में धड़ल्ले से व्यावसायिक भवन, पेट्रोल पंप, ढाबे, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान और कालोनियां तक खड़े कर दिए गए हैं। स्थानीय प्रशासन और एनएचएआई अधिकारियों की मिलीभगत से इन अवैध निर्माणों को अनापत्ति प्रमाणपत्र भी जारी किए गए हैं। इसका सीधा परिणाम यह है कि हाईवे किनारे अवैध गतिविधियां बढ़ रही हैं और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है।

जिम्मेदारी पर उठ रहे सवाल

बताया गया कि राष्ट्रीय भूमि और यातायात नियंत्रण अधिनियम 2002 और राजमार्ग प्रशासन नियम 2004 में साफ प्रावधान है कि हाईवे मार्ग मे 40 मीटर की सीमा में निर्माण के लिए कलेक्टर कार्यालय से अनुमति लेना अनिवार्य है, लेकिन मंडला जिले में इन नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में हाईवे से सटे अनाधिकृत भवन तेजी से खड़े हो रहे है। बताया गया कि इस मार्ग से रोजाना गुजरने वाले जिले के कलेक्टर, एसडीएम, राजस्व अधिकारी और एनएचएआई के अफसरों की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि क्या इन अधिकारियों को ये अवैध निर्माण और नियम-विरुद्ध खड़े वाहन दिखाई नहीं देते? यह केवल स्थानीय मुद्दा नहीं है, बल्कि कानून के उल्लंघन और जनसुरक्षा के साथ खिलवाड़ का एक गंभीर मामला है। नागरिकों ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

पीछे से आने वाले वाहनों को भी खतरा

हाईवे किनारे स्थित ढाबों और रेस्टोरेंट के बाहर 24 घंटे तक भारी वाहन खड़े रहते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और पीछे से आने वाले वाहनों के लिए खतरा पैदा होता है। कई बार एक ही जगह पर कतार में खड़े ट्रकों से भिड़ंत के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है। आश्चर्य की बात यह है कि इस गंभीर समस्या के बावजूद जिला प्रशासन और एनएचएआई के अधिकारी अपनी आंखों को बंदकर इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

गौवंश की सुरक्षा के लिए युवाओं की सराहनीय पहल

रात में गायों को रेडियम कॉलर पहनाकर दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास

मंडला 8 सितंबर नभाप्र. शहर की सड़कों पर आवारा घूमने वाले गौवंश के कारण हो रही लगातार दुर्घटनाओं को देखते हुए कुछ युवाओं ने एक अनूठी और सराहनीय पहल शुरू की है। ये युवा रात के समय सड़कों पर घूम-घूमकर गौवंश के गले में रेडियम कॉलर पहना रहे हैं, जिससे रात के अंधेरे में वाहन चालकों को दूर से ही ये पशु दिखाई दे सकें और किसी भी बड़े हादसे को टाला जा सके।

जानकारी अनुसार यह विशेष रेडियम कॉलर गाड़ियों की हेडलाइट पड़ने पर चमकता है, जिससे चालक को तुरंत सड़क पर मौजूद पशु का पता चल जाता है और वे अपनी गाड़ी की गति को नियंत्रित कर लेते हैं। यह कदम न केवल गौवंश की जान बचा रहा है, बल्कि आम नागरिकों और वाहन चालकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रहा है।

बताया गया कि पिछले कुछ समय से मंडला नगर पालिका क्षेत्र में आवारा पशुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। मुख्य मार्गों और चौराहों पर इन पशुओं का जमावड़ा आम बात हो गई है, जिससे यातायात बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। कई बार आपस में लड़ने वाले इन पशुओं के कारण लोग घायल भी हो चुके हैं। इन गंभीर समस्याओं के बावजूद प्रशासन और संबंधित विभाग इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं।

नपा और अन्य विभाग करें युवाओं का सहयोग

बताया गया कि निराश्रित मवेशियों की इस समस्या के समाधान के लिए शहर के युवा विश्वराज जैसवाल, अरविंद हुंका, सुजल सोनवानी और अन्सर हुसैन ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी मानते हुए यह नेक कार्य शुरू किया है। उनकी यह पहल नागरिकों के बीच काफी सराही जा रही है और उम्मीद जगा रही है। स्थानीय नागरिक इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि अगर नगर पालिका और अन्य विभाग भी इन युवाओं का सहयोग करें और इस तरह के प्रयास को बड़े पैमाने पर लागू करें, तो शहर में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

नगरपालिका ने पानी टैंकर देने से किया इंकार, वार्ड 13 के पार्षद ने निजी खर्च पर पहुंचाया पानी

रेलवे क्षेत्र के रहवासी परेशान, नगरपालिका पर लगाया सौतेले व्यवहार करने का आरोप

मंडला 8 सितंबर नभाप्र. नैनपुर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 जो रेलवे क्षेत्र में आता है, वहाँ पिछले दो दिनों से पानी की सप्लाई ठप होने से रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी की किल्लत की शिकायत पर वार्ड के पार्षद मोहित झरिया ने नगरपालिका से पानी का टैंकर उपलब्ध कराने की मांग की, लेकिन बताया गया है कि नगरपालिका अध्यक्ष और सीएमओ ने पानी का टेंकर देने से साफ शब्दों में इंकार कर दिया।

जानकारी अनुसार जब वार्ड 13 के लोगों ने पार्षद मोहित झरिया को पानी की समस्या से अवगत कराया, तो उन्होंने तत्काल नगरपालिका के सीएमओ से संपर्क किया और उन्हें लिखित में व्हाट्सएप के माध्यम से भी आवेदन भेजा। बावजूद इसके नैनपुर नगरपालिका ने वार्ड में कोई टैंकर भेजने से मना कर दिया। इस पर पार्षद मोहित झरिया ने स्वयं अपने खर्च पर प्राइवेट टैंकरों से वार्ड के रहवासियों को पानी उपलब्ध कराया। पार्षद ने खुद मौके पर खड़े होकर लोगों तक पानी पहुंचाया, जिससे उन्हें काफी राहत मिली।

नगरपालिका कर रही मनमानी

स्थानीय लोगों ने नगरपालिका के इस रवैये की कड़ी निंदा करते हुए सौतेला व्यवहार बताया है। उनका कहना है कि यह पहली बार नहीं है, जब नगरपालिका ने पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए वार्ड 13 के साथ ऐसा बर्ताव किया हो। पिछले साल भी ऐसी ही स्थिति में पार्षद ने निजी खर्च पर पानी की व्यवस्था की थी। निवासियों ने इस मामले की जांच की मांग की है और उम्मीद जताई है कि नगरपालिका की इस मनमानी पर जल्द से जल्द अंकुश लगेगा।

आज प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस शिविर

मंडला 8 सितंबर नभाप्र. मंडला में आज 9 सितंबर को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम हर महीने की 9 और 25 तारीख को आयोजित होता है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व देखभाल में सुधार करना और उन महिलाओं की पहचान, निदान और परामर्श करना है, जिन्हें उच्च जोखिम है।

नारायणगंज बालई पुल में लटके ट्रक को क्रेन की मदद से निकाला बाहर

राहगीरों, वाहन चालकों को आवाजाही में हुई परेशानी

दिनभर की कड़ी मशक्कत के बाद शाम सात बजे निकाला गया ट्रक

मंडला 8 सितंबर नभाप्र. मंडला-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 में शनिवार रात भीषण सड़क हादसे में एक 16 चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर नारायणगंज के बालई पुल की रेलिंग तोड़ते हुए पुल में आधा लटक गया। इस दर्दनाक हादसे में एक स्थानीय युवक की जान भी चली गई, जिसके बाद इलाके में तनाव का माहौल भी बन गया। रविवार को गुस्साए ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज का घेराव कर प्रदर्शन किया और तहसीलदार को दो सूत्रीय ज्ञापन भी सौंपा।

जानकारी अनुसार हादसे के बाद ट्रक शनिवार से ही पुल से लटका हुआ था। सोमवार को टिकरिया पुलिस ने क्रेन बुलाकर इसे हटाने का प्रयास शुरू किया। सुबह से लेकर शाम तक दो क्रेन की मदद से ट्रक को निकालने का प्रयास किया गया। जिसके बाद शाम करीब सात बजे ट्रक को निकालने में सफलता मिली। इस दौरान पुल से वाहनों की आवाजाही में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन टिकरिया पुलिस की मौजूदगी में यातायात सामान्य रहा। टिकरिया थाना प्रभारी गोपाल घासले स्वयं मौके पर मौजूद रहकर ट्रक को बाहर निकलवाया।

आदेश के बाद भी आवारा पशुओं का आतंक जारी

ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों को भारी नुकसान, सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा

नारायणगंज 8 सितंबर नभाप्र. जनपद पंचायत नारायणगंज सीईओ के आदेश के बावजूद क्षेत्र में आवारा पशुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। विगत दिवस 26 अगस्त को जारी आदेश में इन पशुओं को नियंत्रित कर गौशाला सिवनीमाल में भेजने का स्पष्ट निर्देश दिया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि यह आदेश सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गया है। बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आवारा पशु खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे किसानों की खड़ी फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। इसके साथ ही मुख्य मार्गों पर इन पशुओं की आवाजाही के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे आम लोगों की जान खतरे में है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। उनका आरोप है कि आदेश तो जारी कर दिए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है जिससे इन पशुओं को गौशालाओं में भेजकर इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय प्रशासन इस मामले में गंभीरता दिखाए और जल्द से जल्द कदम उठाए, जिससे किसानों को राहत मिले और सड़क पर होने वाले हादसों को रोका जा सके।

घर के आंगन में खेलते मासूम की करंट लगने से मौत

निवास थाना क्षेत्र के ग्राम रेड़म की घटना, पुलिस ने शुरू की जांच

निवास 8 सितंबर नभाप्र. निवास थाना क्षेत्र के ग्राम रेड़म में घर के आंगन में खेल रहे तीन वर्षीय मासूम की बिजली के तार की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के समय परिवार के सदस्य खेत गए हुए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार मृतक की पहचान दीक्षित पिता राकेश सिंह सोयाम उम्र लगभग 3 वर्ष के रूप में हुई है। बताया गया है कि घर में लगे बिजली के तार टूटकर आंगन में गिरे हुए थे, जिस पर किसी का ध्यान नहीं गया। खेलते-खेलते मासूम का पैर उस तार से छू गया, जिससे उसे जोरदार करंट लगा और वह गिर गया। कुछ देर बाद जब एक व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी, तो उसने तत्काल आसपास के लोगों को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस को बुलाया, जिसके कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। मासूम को निवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने मासूम दीक्षित को मृत घोषित कर दिया। निवास पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

मप्र छात्र संघ की चेतावनी, मांगों को जल्द किया जाए पूरा

महाविद्यालय की अनियमितताओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

नैनपुर 8 सितंबर नभाप्र. नैनपुर के शासकीय स्नातक महाविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर मध्यप्रदेश छात्र संघ मंडला इकाई ने प्राचार्य को 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छात्रों ने प्रमुखता से 5 मुख्य मांगों को उठाया है, जिसमें छात्रवृत्ति, नियमित कक्षाएं, साफ-सफाई, सुरक्षा और खेल सुविधाओं में सुधार शामिल है। मप्र छात्र संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी।

मप्र छात्र संघ के जिला अध्यक्ष मनीष कुमार चड़ार के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि छात्रवृत्ति समस्या का समाधान किया जाए, नियमित कक्षाएं और समय सारणी को नोटिस बोर्ड पर लगाया जाए। साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था की जाए। महाविद्यालय में असामाजिक तत्वों के प्रवेश पर रोक लगाने और सभी छात्रों के लिए आईडी कार्ड पहनना अनिवार्य करने की मांग की गई है। खिलाड़ियों के लिए महाविद्यालय के मैदान में क्रिकेट पिच का निर्माण करने और नई बिल्डिंग में बैडमिंटन के लिए हॉल उपलब्ध कराने की मांग की गई है, जिससे छात्र अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और महाविद्यालय का नाम रोशन कर सकें। ज्ञापन सौंपने के दौरान मध्यप्रदेश छात्र संघ के जिला अध्यक्ष मनीष कुमार चड़ार के साथ मनीष झारिया, विजय ठाकुर, राजेंद्र कुमार परते, मुकुल झारिया, रमन सोनी, हरिओम उइके, ऋतिक मर्सकोले, श्रीकांत झारिया, मोनू, ललित और अमरनाथ सहित छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने डीसीएम हिमांशु को किया सम्मानित

मंडल में किलकारी मोबाईल एकेडमी का कमाल

मंडला 8 सितंबर नभाप्र. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में मंडला जिले के डीसीएम हिमांशु कुमार सिंगौर को सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें किलकारी और मोबाइल एकेडमी कार्यक्रम को 100 प्रतिशत सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए दिया गया। डॉ. राकेश बोहरे वरिष्ठ संयुक्त संचालक आशा कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा इस कार्यशाला में कुल 26 जिलों के जिला कार्यक्रम प्रबंधकों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शेष जिलों में इन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को और गति देना और भविष्य की कार्ययोजना तैयार करना है। कार्यशाला में सम्मानित किए गए डीसीएम की सूची में हिमांशु कुमार सिंगौर का नाम 15वें स्थान पर है, जो मंडला जिले का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान सभी जिलों के डीसीएम और प्रभारी डीसीएम मौजूद रहे।

ये है मोबाइल एकेडमी और किलकारी

मोबाइल एकेडमी और किलकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं। मोबाइल एकेडमी आशा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए ऑडियो-आधारित पाठ्यक्रम है। यह उनके ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने में मदद करता है। वहीं किलकारी गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के माता-पिता के लिए एक साप्ताहिक ऑडियो संदेश सेवा है, जो गर्भावस्था, प्रसव और शिशु देखभाल से संबंधित जानकारी प्रदान करती है।

विकलांगता प्रमाण पत्र के लिए 12 को निवास में लगेंगे शिविर

50 प्रतिशत से अधिक एचपीएलसी वैल्यू वाले सिकल सेल मरीजों को मिलेगा लाभ

मंडला 8 सितंबर नभाप्र. जिले में सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित मरीजों को विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए ब्लॉक स्तरीय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 12 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निवास में विकलांगता प्रमाण पत्र शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में जिला चिकित्सालय की मेडिकल बोर्ड की टीम मौके पर पहुंचकर पात्र लाभार्थियों को विकलांगता प्रमाण पत्र बनाएगी और वितरित करेगी। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने बताया कि यह प्रमाण पत्र उन सिकल सेल मरीजों को दिया जाएगा जिनकी एचपीएलसी टेस्ट की वैल्यू 50 प्रतिशत से अधिक है।

बैठक | जनप्रतिनिधियों ने किया सीएचसी का दौरा, समस्याओं पर हुई चर्चा

अतिक्रमण हटाने पत्राचार, ऑनकॉल में लगे वाहन को हटाया तत्काल

मंडला 8 सितंबर नभाप्र. जिले में एनक्यूएएस प्रमाणित नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हाल ही में हुए एक सड़क हादसे के बाद उपजे जनाक्रोश को शांत करने और स्वास्थ्य केंद्र में आ रही समस्याओं को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और सीएचसी का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। बैठक का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और मरीजों को आ रही परेशानियों का समाधान खोजना था। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र के सामने और आसपास के अतिक्रमण को हटाने और एक निजी वाहन जो ऑनकॉल पर लगाया गया था, को हटाने पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रतन सिंह ठाकुर और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मागन लाल सोनी ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इन सुझावों में मरीजों और उनके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार करना, समय पर उपचार प्रदान करना और अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही देना शामिल था।

सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल ने समस्त स्टाफ को निर्देश दिए कि वे भविष्य में ऐसी किसी भी घटना से बचने के लिए मरीजों के साथ विनम्रता से पेश आएं और अनावश्यक रूप से किसी को परेशान न करें। उन्होंने यह भी जोर दिया कि मरीजों को बाहर की दवाइयां न लिखी जाएं, बल्कि उन्हें अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही दी जाएं।

बैठक में लिये गए अहम निर्णय

बैठक में निर्णय लेते हुए अस्पताल में राजेश अग्रवाल का ऑनकॉल में लगे वाहन को तत्काल हटाया गया। इसके साथ ही अस्पताल के चारों ओर फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए स्थानीय सरपंच, तहसीलदार और एसडीएम को तुरंत पत्र लिखकर कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। बताया गया कि आयोजित हुई बैठक में लिए गए निर्णय से अस्पताल के प्रवेश द्वार और आसपास की जगह साफ होगी, जिससे मरीजों और एंबुलेंस को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग और जनप्रतिनिधियों के साथ हुई इस बैठक के बाद मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार की उम्मीद है।